विश्व में कपास उत्पादन बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। वस्त्र मंत्रालय ने वर्ष 2010-11 में कपास उत्पादन 305 लाख टन बेल्स होने का अनुमान जारी किया है। दिसंबर में हुई बिन मौसम की बारिश तथा गुजरात, महाराष्ट्र व आंध्र प्रदेश में अत्यधिक सर्दी से फसल के नुकसान के कारण कपास उत्पादन में कमी बताई गई। यह जानकारी कपास उत्पादन का अनुमान लगाने वाली एजेंसियों ने दी है।

रिपोर्ट के अनुसार नए मौसम में कपास के एकरेज में 7 से 10 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी। इस कारण सरकार द्वारा आधार कीमतें बढ़ाए जाने की उम्मीद है। यदि नए मौसम में साधारण मानसून होता है तो कपास के अच्छे उत्पादन की संभावना है। नए सीजन में समाप्त होने वाले एनसीडीईक्स वी 797 कपास फ्यूचर्स की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप पाई गई। आगामी सीजन में अच्छी फसल का अनुमान फ्यूजर कीमतें चालू सीजन की कीमतों से कम होने का मुख्य कारण है। चालू कपास सीजन के आरंभ से कपास की कीमतें वैश्विक स्तर पर पहली बार गिरी हैं। भारत में कपास का उत्पादन अक्टूबर से सितंबर तक होता

है जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कपास अगस्त से जुलाई तक होता है। आईसीएससी ने 2010-11 में कपास का उत्पादन अप्रेल में 245 लाख टन से मई में 248 लाख टन तक बढ़ने की संभावना व्यक्त की है। यूएसडीए द्वारा वैश्विक कपास उत्पादन 2010-11 के 249.5 लाख टन से 2011-12 में 271.5 लाख टन तक बढ़ने की संभावना व्यक्त की है। कपास के वैश्विक निर्यात वर्ष 2010-11 के 8 0.5 लाख टन से 8 फीसदी बढ़कर वर्ष 2011-12 में 8 6 .8 लाख टन तक बढ़ने की संभावना है। ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया निर्यात में अग्रणी देश है क्योंकि 2011-12 में उनके पास वर्षके आरंभ में ज्यादा स्टाक था। चीन द्वारा आयात की मांग बड़े पैमाने पर बढ़ने की उम्मीद है। - **वाणिज्य डेस्क**

जोधपुर : सूखा मेवा बाजार

कमोडिटी का नाम दर प्रति किलो

गेहूं में स्टॉकिस्ट कटे, मूंग-तुअर-चने में तेजी दैनिक तेल-तिलहन समीक्षा